



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of

3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

The B.A. programme, Carmel College for Women, Nuvem, Goa endeavours to achieve the following outcomes:

PROGRAMME OUTCOMES

PO1 : Attribute: KNOWLEDGE. Empower students with knowledge in their areas of undergraduate study.

PO2 : Attribute: CRITICAL THINKING. Teach learners the skills required for critical thinking.

PO3 : Attribute: RESEARCH. Inculcate among learners a spirit of curiosity leading to an interest in research.

PO4 : Attribute: HIGHER EDUCATION. Acquaint students with new trends in their subject areas and develop the capabilities required for higher education.

PO5 : Attribute: EXCELLENCE. Inspire learners to appreciate and benchmark good aesthetics and professionalism in the languages and social sciences.

PO6 : Attribute: LIFE SKILLS. Inspire the youth to lead a holistic lifestyle.

PO7 : Attribute: HUMAN VALUES. Impart value-based learning with the aim to train students to be socially responsible and enlightened citizens.

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of

3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

DEPARTMENT OF HINDI

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

PSO1: Attribute: Knowledge and Creativity

The department aims to develop a theoretical and practical understanding of the subject's concepts, principles and theories to understand the Hindi language and literature. Using cognitive skills to develop creativity.

PSO2: Attribute: Critical Thinking and Research Through Education

The department tries to develop different methodologies of critical thinking to motivate them to be focused on nurturing analytical reasoning and critical thinking.

PSO3: Attribute: Human Values and Life Skills

Inculcating human values and ethics to the holistic development of students through Hindi Literature. Impart value-based learning to train students to be socially responsible citizens.

PSO4: Attribute: Effective skills in Various fields

It aims to help students carve out an identity for themselves in various fields and utilise their skills effectively in the workplace.

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: I

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी कहानी साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन (Hindi Story

Literature: Introductory Study)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: हिंदी कहानी के प्रति रुचि बढ़ेगी।

CO 2: कहानी की अवधारणा और स्वरूप से परिचित होंगे।

CO 3: हिंदी के प्रमुख कहानीकार तथा उनकी कहानियों से अवगत हो सकेंगे।

CO 4: सृजनशीलता विकसित होगी।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	3	2	3	2	3	3	3	3	2
CO2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO4	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3	3

पाठ्यक्रम: HIN-100 हिंदी कहानी साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2023-24

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वपेक्षित - हिंदी भाषा की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. हिंदी कहानी के प्रति रुचि बढ़ाना।
2. कहानी साहित्य की अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना।
3. हिंदी कहानीकारों तथा उनकी कहानियों से परिचित कराना।
4. श्रवण, पठन और लेखन क्षमताओं को विकसित करना।

1. कहानी: अवधारणा एवं स्वरूप

(15)

हिंदी के प्रमुख कहानीकार: सामान्य परिचय

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश, राजेंद्र यादव, कमलेश्वर, निर्मल वर्मा, उषा प्रियंवदा, ज्ञानरंजन, सूर्यबाला, उदय प्रकाश, गिरिराज किशोर।

2. प्रेमचंद पूर्व और प्रेमचंद युगीन कहानी (15)

- ग्यारह वर्ष का समय- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- पूस की रात- प्रेमचंद
- पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद
- कवि का प्रायश्चित्त- सुदर्शन

3. प्रेमचंदोत्तर कहानी (15)

- पंचलाइट- फणीश्वरनाथ रेणु
- वारिस- मोहन राकेश
- मेहमान- राजेन्द्र यादव
- कसबे का आदमी- कमलेश्वर

4. समकालीन कहानी (15)

- भाग्यरेखा- भीष्म साहनी
- हंसा जाई अकेला- मार्कण्डेय
- यहीं तक- राजी सेठ

संदर्भ ग्रंथ सूची

- 1- श्रीवास्तव, परमानन्द, हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
2. त्रिपाठी, विश्वनाथ, कुछ कहानियाँ: कुछ विचार, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, 2015
3. मधुरेश, हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2014
4. मिश्र, रामदरश, हिंदी कहानी अंतरंग पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
5. राय, गोपाल, हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, 2016
6. शर्मा, रामविलास, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of

3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: I

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MINOR COURSE

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी नाट्य साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन (Hindi Drama

Literature: Introductory Study)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: हिंदी नाट्य साहित्य के प्रति रुचि जागृत होगी।

CO 2: हिंदी नाटक की प्रवृत्तियाँ का विवेचन तथा विश्लेषण कर सकेंगे।

CO 3: चयनित नाटकों का अध्ययन एवं विश्लेषण सकेंगे।

CO 4: रचना के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित होंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3

पाठ्यक्रम: HIN-111 हिंदी नाट्य साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2023-24

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित - हिंदी साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. आधुनिक नाटक के प्रति रुचि जागृत करना।
2. हिंदी नाटक का अध्ययन करना।
3. हिंदी नाटक की प्रक्रिया तथा प्रवृत्तियों का विवेचन तथा विश्लेषण करना।
4. रचना के माध्यम से मानवीय मूल्यों को विकसित करना।

1. नाटक: अवधारणा एवं स्वरूप

(15)

नाटक के तत्व

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

• प्रमुख हिंदी नाटककार: सामान्य परिचय

भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, उपेंद्रनाथ अशक, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल, मोहन राकेश, सुरेंद्र वर्मा, शंकर शेष, मणि मधुकर, हबीब तनवीर, असगर वजाहत, मीरा कांत

2. स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक (15)

• छठा बेटा- उपेंद्रनाथ अशक

3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक (15)

• बकरी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

4. 21वीं सदी का हिंदी नाटक (15)

• सकुबाई- नादिरा बब्बर

अध्यापन विधि

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, कार्यशाला

आधार ग्रंथ

1. अशक, उपेंद्रनाथ-छठा बेटा, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद, 1940
2. बब्बर, नादिरा जहिर-सकुबाई, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
3. सक्सेना, सर्वेश्वरदयाल -बकरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1974

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. ओझा, दशरथ, हिंदी नाटक: उद्भव और विकास, राजपाल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017
2. चातक, गोविंद, हिंदी नाटक: इतिहास के सोपान, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002
3. रस्तोगी, गिरिश, बीसवीं शताब्दी का हिंदी नाटक और रंगमंच, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: II

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी कहानी साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन (Hindi Story

Literature: Introductory Study)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: हिंदी कहानी के प्रति रुचि बढ़ेगी।

CO 2: कहानी की अवधारणा और स्वरूप से परिचित होंगे।

CO 3: हिंदी के प्रमुख कहानीकार तथा उनकी कहानियों से अवगत हो सकेंगे।

CO 4: सृजनशीलता विकसित होगी।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	3	2	3	2	3	3	3	3	2
CO2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO4	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3	3

पाठ्यक्रम: HIN-100 हिंदी कहानी साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2023-24

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वपेक्षित - हिंदी भाषा की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. हिंदी कहानी के प्रति रुचि बढ़ाना।
2. कहानी साहित्य की अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना।
3. हिंदी कहानीकारों तथा उनकी कहानियों से परिचित कराना।
4. श्रवण, पठन और लेखन क्षमताओं को विकसित करना।

1. कहानी: अवधारणा एवं स्वरूप

(15)

हिंदी के प्रमुख कहानीकार: सामान्य परिचय

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश, राजेंद्र यादव, कमलेश्वर, निर्मल वर्मा, उषा प्रियंवदा, ज्ञानरंजन, सूर्यबाला, उदय प्रकाश, गिरिराज किशोर।

2. प्रेमचंद पूर्व और प्रेमचंद युगीन कहानी (15)

- ग्यारह वर्ष का समय- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- पूस की रात- प्रेमचंद
- पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद
- कवि का प्रायश्चित्त- सुदर्शन

3. प्रेमचंदोत्तर कहानी (15)

- पंचलाइट- फणीश्वरनाथ रेणु
- वारिस- मोहन राकेश
- मेहमान- राजेन्द्र यादव
- कसबे का आदमी- कमलेश्वर

4. समकालीन कहानी (15)

- भाग्यरेखा- भीष्म साहनी
- हंसा जाई अकेला- मार्कण्डेय
- यहीं तक- राजी सेठ

संदर्भ ग्रंथ सूची

- 1- श्रीवास्तव, परमानन्द, हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
2. त्रिपाठी, विश्वनाथ, कुछ कहानियाँ: कुछ विचार, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, 2015
3. मधुरेश, हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2014
4. मिश्र, रामदरश, हिंदी कहानी अंतरंग पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
5. राय, गोपाल, हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, 2016
6. शर्मा, रामविलास, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: II

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MINOR COURSE

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी नाट्य साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन (Hindi Drama

Literature: Introductory Study)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: हिंदी नाट्य साहित्य के प्रति रुचि जागृत होगी।

CO 2: हिंदी नाटक की प्रवृत्तियाँ का विवेचन तथा विश्लेषण कर सकेंगे।

CO 3: चयनित नाटकों का अध्ययन एवं विश्लेषण सकेंगे।

CO 4: रचना के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित होंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3

पाठ्यक्रम: HIN-111 हिंदी नाट्य साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2023-24

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित - हिंदी साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. आधुनिक नाटक के प्रति रुचि जागृत करना।
2. हिंदी नाटक का अध्ययन करना।
3. हिंदी नाटक की प्रक्रिया तथा प्रवृत्तियों का विवेचन तथा विश्लेषण करना।
4. रचना के माध्यम से मानवीय मूल्यों को विकसित करना।

1. नाटक: अवधारणा एवं स्वरूप

(15)

नाटक के तत्व

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

• प्रमुख हिंदी नाटककार: सामान्य परिचय

भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, उपेंद्रनाथ अशक, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल, मोहन राकेश, सुरेंद्र वर्मा, शंकर शेष, मणि मधुकर, हबीब तनवीर, असगर वजाहत, मीरा कांत

2. स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक (15)

• छठा बेटा- उपेंद्रनाथ अशक

3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक (15)

• बकरी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

4. 21वीं सदी का हिंदी नाटक (15)

• सकुबाई- नादिरा बब्बर

अध्यापन विधि

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, कार्यशाला

आधार ग्रंथ

1. अशक, उपेंद्रनाथ-छठा बेटा, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद, 1940
2. बब्बर, नादिरा जहिर-सकुबाई, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
3. सक्सेना, सर्वेश्वरदयाल -बकरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1974

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. ओझा, दशरथ, हिंदी नाटक: उद्भव और विकास, राजपाल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017
2. चातक, गोविंद, हिंदी नाटक: इतिहास के सोपान, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002
3. रस्तोगी, गिरिश, बीसवीं शताब्दी का हिंदी नाटक और रंगमंच, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: III

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (1)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी गद्य: कथा साहित्य एवं एकांकी (Hindi Prose: Stories, Novel
and One Act Play)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: हिंदी गद्य साहित्य के आरंभिक इतिहास से परिचित होंगे।

CO 2: कहानी, उपन्यास एवं एकांकी का अध्ययन करेंगे।

CO 3: प्रमुख रचनाओं के माध्यम से विचार-विमर्श के लिए प्रेरित होंगे।

CO 4: रचनाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित होंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3	2
CO2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3

पाठ्यक्रम: HIN-200 हिंदी गद्य: कथा साहित्य एवं एकांकी

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2024-25

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वपेक्षित - हिंदी साहित्य का सामान्य ज्ञान होना अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. गद्य साहित्य के आरंभिक इतिहास से परिचित कराना।
2. कहानी, उपन्यास एवं एकांकी का अध्ययन कराना।
3. प्रमुख रचनाओं के माध्यम से विचार-विमर्श के लिए प्रेरित करना।
4. रचनाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित कराना।

1. हिंदी गद्य साहित्य का आरंभिक इतिहास

(15)

- खड़ीबोली का विकास।

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- अंग्रेजों की शिक्षा नीति।
- प्रेस का योगदान।
- गद्य के निर्माण में ईसाई मिशनरियों की भूमिका।

2. कहानी (15)

- मुक्तिमार्ग - प्रेमचन्द
- मूल्य - आचार्य चतुरसेन शास्त्री
- परदा - यशपाल
- एटम बम - अमृतलाल नागर
- सजा - मन्नू भंडारी

3. उपन्यास (15)

- पचपन खंभे लाल दिवारें - उषा प्रियंवदा

4. एकांकी (15)

- अंडे के छिलके - मोहन राकेश

आधार ग्रंथ

1. पचपन खंभे लाल दिवारें- उषा प्रियंवदा, राजकमल प्रकाशन, सं., दिल्ली, 2009
2. अंडे के छिलके- मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1973

अध्यापन पद्धति

व्याख्यान, कार्यशाला, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, दृश्य- श्रव्य प्रस्तुति

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. शुक्ल, रामचन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, हिंदी काशी नगरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. गुप्त गणपतिचंद्र, हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
3. तिवारी, रामचन्द्र, गद्य साहित्य, विद्यापीठ प्रकाशन, 2009
4. राय गोपाल, हिंदी कहानी का इतिहास भाग 1 और 2, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: III

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (2)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी काव्य (1960 तक) (Hindi Poetry up to 1960)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: हिंदी काव्य के प्रति रुचि बढ़ेगी।

CO 2: काव्य के विविध रूपों और कवियों से परिचित होंगे।

CO 3: काव्य के माध्यम से विविध सामाजिक सरोकारों के विश्लेषण की क्षमता विकसित कर सकेंगे।

CO 4: काव्य श्रवण, पठन और लेखन कौशल एवं सर्जनशीलता विकसित होगी।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	1	1	1	2	1	2	3	2	1
CO2	3	3	2	1	2	2	1	3	3	2	1
CO3	2	3	3	2	2	2	2	3	3	2	2
CO4	2	3	2	2	2	3	1	2	2	2	3

पाठ्यक्रम: HIN – 201 हिंदी काव्य 1960 तक

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2024-2025

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित - हिंदी काव्य की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. हिंदी काव्य के प्रति रुचि बढ़ाना।
2. काव्य के विविध रूपों और कवियों से परिचित कराना।
3. काव्य के माध्यम से विविध सामाजिक सरोकारों के विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।
4. काव्य श्रवण, पठन और लेखन कौशल एवं सर्जनशीलता को विकसित कराना।

1- आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य

(15)

विद्यापति के पद

- देख-देख राधा-रूप अपार - आओल ऋतुपति- राजा बसंत

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

कबीर के दोहे

- कस्तूरी कुण्डली बसै मृग ढूँढ़ै बन माहि।
- दुर्लभ मानुष जन्म है, देह न बारम्बार
- गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़-गढ़ काढ़े खोट
- धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
- जाती न पुछो साधु की, पूछ लीजिये ज्ञान।

गोस्वामी तुलसीदास - रामचरितमानस

- रावनु रथी बिरथ रघुबीरा। देखि बिभीषन भयउ अधीरा॥
- दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि ब्यापा॥

मीराबाई के पद

- बरजोरी में स्याम बिना न रह्यो
- मीरा मगन भई हरि के गुण गाय

2. रीतिकालीन काव्य

(15)

बिहारी के दोहे

- कागद पर न लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात।
- लिखन बैठि जाकी सबी, गहि गहि गरब गरूर।
- जौ चाहत, चटकन घटे, मैलौ होइ न मित्त।
- संगति सुमति न पावहीं, परे कुमति के धधं।
- मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।

घनानन्द

- अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
- मही दूध सम गनै हंस-बक भेद न जाने

भूषण

- इंद्र जिमि जंभ पर बाड़व ज्यों अंभ पर,
- चोरी रही मन में ठगोरी रूप ही में रही नाहीं



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

3. स्वतंत्रतापूर्व काव्य

(15)

- सखि, वे मुझ से कह कर जाते - मैथिली शरण गुप्त
- ठुकरा दो या प्यार करो - सुभद्रा कुमारी चौहान
- बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- पुष्प की अभिलाषा- माखन लाल चतुर्वेदी
- तब समझूंगा आया वसंत- शिवमंगल सिंह 'सुमन'
- जो बीत गई सो बात गई - हरिवंशराय बच्चन

4. स्वातंत्र्योत्तर काव्य (सन् 1960 तक)

(15)

- अकाल और उसके बाद- नागार्जुन
- मुझे कदम कदम पर- मुक्तिबोध
- केतकी पूनो- अज्ञेय
- गीत-फरोश- भवानीप्रसाद मिश्र
- विदेह- भारतभूषण अग्रवाल
- गुनाह का गीत- धर्मवीर भारती

अध्यापन विधि

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, काव्य प्रस्तुति, कार्यशाला।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. राम किशोर शर्मा, आधुनिक कवि, लोक भारती प्रकाशन
2. डॉ. नगेंद्र आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, सं. 1979
3. डॉ. हरदयाल: आधुनिक हिंदी कविता, शब्दकार, दिल्ली, सं. 1993
4. सं. लीलाधर मंडलोई कविता के सौबरस, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2013
5. परमानंद श्रीवस्तव कविता का अर्थात, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2008
6. बच्चन सिंह: हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2017

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: III

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MINOR COURSE

पाठ्यक्रम का शीर्षक: गीत और ग़ज़ल (Geet and Gazal)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: गीत एवं ग़ज़ल की संकल्पना एवं स्वरूप से परिचित होंगे।

CO 2: विभिन्न रचनाकारों के गीतों एवं ग़ज़लों से अवगत होंगे।

CO 3: गीत एवं ग़ज़ल की रूचि में अभिवृद्धि होंगी।

CO 4: गीत एवं ग़ज़लों के विश्लेषण की क्षमता विकसित होंगी।

PO/ CO	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
CO1	3	2	3	2	3	3	3	3	3	2	2
CO2	3	3	2	1	2	2	3	3	3	2	1
CO3	3	3	3	1	2	2	3	3	3	3	1
CO4	3	3	3	1	2	3	3	3	3	3	3

पाठ्यक्रम: HIN-211 गीत और ग़ज़ल

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2024-2025

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित - हिंदी काव्य की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. गीत एवं ग़ज़ल की संकल्पना एवं स्वरूप से परिचित कराना।
2. विभिन्न रचनाकारों के गीतों एवं ग़ज़लों से अवगत कराना।
3. गीत एवं ग़ज़ल की रूचि में अभिवृद्धि कराना।
4. गीत एवं ग़ज़लों के विश्लेषण की क्षमता विकसित कराना।

1. गीत

(10)

- गीत: संकल्पना एवं स्वरूप
- गीत: विकास परंपरा

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- गीत: विविध प्रकार

2. चयनित गीत

(20)

- न तुम सो रही हो, न मैं सो रहा हूँ- हरिवंशराय बच्चन
- आदमी का आकाश... - रामावतार त्यागी
- कारवाँ गुजर गया... - गोपालदास सक्सेना 'नीरज' सक्सेना
- कल हमारा है.... - शैलेन्द्र
- ऐ मेरे वतन के लोगों- प्रदीप (रामचन्द्र नारायणजी द्विवेदी)
- रहे ना रहे हम महका करेंगे... - मजरूह सुल्तानपुरी
- ज़िंदगी एक सफर है सुहाना- हसरत जयपुरी
- आदमी मुसाफिर है, आता है जाता- आनंद बक्षी

3. गजल

(10)

- गजल: संकल्पना एवं स्वरूप
- गजल: विकास परंपरा
- गजल: विविध प्रकार

4. चयनित गजल

(20)

- मैं चमारों की गली तक ले चलूँ तुम्हें- अदम गोंडवी
- अपने दिल का हाल यारों- शमशेर बहादुर सिंह
- कहाँ तो तय था चिरागाँ हर एक घर के लिए- दुष्यंतकुमार
- सपने अनेक थे तो मिले स्वप्न फल अनेक- ज़हीर कुरेशी
- गरम रोटी पर नमक और तेल- अनूप वशिष्ठ
- अमृतकण - प्रकाश भोसले
- तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो- कैफ़ी आज़मी

अध्यापन पद्धति

दृश्य श्रव्य प्रस्तुतीकरण, चर्चा, अतिथि व्याख्यान, व्यावहारिक प्रयोग

संदर्भ ग्रंथ सूची

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of

3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

1. कौशिक, शिवशरण, हिंदी गीत और गज़ल का समकालीन परिदृश्य, अध्ययन पब्लिशर्स, दिल्ली, 2011
2. डॉ. विमल: हिंदी चित्रपट एवं संगीत का इतिहास, संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2010
3. अस्थाना, रोहिताश्व, हिंदी गज़ल उद्भव और विकास, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2010
4. सं. कमलेश्वर: हिन्दुस्तानी गज़लें, राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली, 2010
5. डॉ. सादिका असलम नवाब 'सहर': साठोत्तरी हिंदी गज़ल शिल्प एवं संवेदना, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली, 2007
6. डॉ सरदार मुजावर- राष्ट्रीय एकता और हिंदी गज़ल, वाणी प्रकाशन, 2002
7. डॉ सरदार मुजावर- हिंदी गज़ल के विविध आयाम, वाणी प्रकाशन, 2003
8. डॉ. मधु खराटे: साठोत्तरी हिंदी गज़ल, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2002
9. डॉ. मधु खराटे हिंदी गज़ल के प्रमुख हस्ताक्षर, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2012
10. डॉ. मधु खराटे: दुष्यंतोत्तर हिंदी गज़ल, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2013

सत्र: III

कार्यक्रम: सातक हिंदी Ability Enhancement Course (AEC)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: सम्प्रेषण कौशल (Communication Skill)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: संप्रेषण कौशल और नेतृत्व की क्षमता का विकास होगा।

CO 2: रोज़गार के अच्छे अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

CO 3: भाषा में प्रभावशाली ढंग से विचारों का आदान-प्रदान कर सकेंगे।

CO 4: सामूहिक संघ की भावना बढ़ेगी।

PO/ CO	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
CO1	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3
CO2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3
CO3	3	3	3	1	3	3	3	3	3	3	2
CO4	2	3	2	1	2	3	3	3	2	3	3

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

पाठ्यक्रम: HIN-251 सम्प्रेषण कौशल (Communication Skill)

श्रेयांक: 02

शैक्षिक वर्ष: 2024-2025

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वपेक्षित - हिंदी भाषा का ज्ञान होना अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. संप्रेषण कौशल विकसित करना।
2. प्रभावशाली संप्रेषण कौशल विकसित करना।
3. भाषागत आत्मविश्वास बढ़ाना।
4. व्यक्तित्व का विकास करना।

1. भाषिक संप्रेषण: स्वरूप और सिद्धांत

(15)

- संप्रेषण: अवधारणा एवं महत्व
- संप्रेषण की प्रक्रिया
- संप्रेषण के विभिन्न प्रकार एवं साधन
- संप्रेषण की चुनौतियां

2. संप्रेषण के माध्यम व्यावहारिक प्रयोग

(15)

- संप्रेषण कौशल: श्रवण कौशल, पठन कौशल, आंगिक एवं वाचिक भाषा कौशल
- एकालाप, संवाद, बातचीत, सामूहिक चर्चा, बैठक, साक्षात्कार मीडिया कवरेज, नाट्यवाचन, कविता वाचन, कहानी वाचन, सिनेमा - संवाद प्रस्तुति
- संवाद कौशल के जरिए व्यक्तित्व विकास

अध्यापन विधि

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतिकरण, शैक्षिक भ्रमण, कार्यशाला, व्यावहारिक प्रयोग

सन्दर्भ-ग्रंथ सूची

1. डॉ. अवनीश कुमार मिश्रा, डॉ. प्रवीन कुमार अग्रवाल, संप्रेषण कौशल, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, २०२२
2. डॉ. मंजु मुकुल, संप्रेषण: चिंतन और दक्षता शिवालिकप्रकाशन, दिल्ली, २०१७

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of

3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

3. रमेश सनवाल, बोलचाल की कौशल कला: किंडलएडिशन, २०१९
4. डॉ. विनोद मिश्र, डॉ. नरेंद्र शुक्ल मिश्र, व्यावसायिक सम्प्रेषण, संजय साहित्य भवन
5. सुरेश कुमार, संप्रेषण व्याकरण: सिद्धांत और स्वरूप, २०१९
6. हंसराज पाल और डॉ. मंजुलता शर्मा, व्यावसायिक संप्रेषण, हिंदी माध्यम कार्यान्वय, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रकाशन, २०१२
7. वैश्रा वारंग, संप्रेषणपरक हिंदी भाषा शिक्षण, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली 2022
8. डॉ. प्रवीण अग्रवाल, अवीनाश कुमार मिश्र, संप्रेषण कौशल, साहित्य भवन पब्लिकेशन, दिल्ली



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: IV

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (1)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: साठोत्तरी हिंदी काव्य (Hindi Poetry after 1960)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: साठो त्तरी हिंदी कविता के युगीन परिवेश से अवगत होंगे।

CO 2: साठोत्तरी हिंदी कविता के प्रसिद्ध कवियों से परिचित होंगे।

CO 3: चयनित कविताओं में निहित जीवनमूल्यों का आकलन करेंगे।

CO 4: चयनित कविताओं के माध्यम से विविध विमर्शों तथा सरोकारों के विश्लेषण की क्षमता विकसित करेंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	3	2	3	3	2	3	3	2	2
CO2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	2
CO3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	2
CO4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2

पाठ्यक्रम: HIN-202 साठोत्तरी हिंदी काव्य

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2024-25

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वपेक्षित- 1960 के पूर्व हिंदी काव्य का ज्ञान आवश्यक है।

उद्देश्य

1. साठोत्तरी हिंदी कविता के युगीन परिवेश से अवगत कराना।
2. साठोत्तरी हिंदी कविता के प्रसिद्ध कवियों से परिचित कराना।
3. चयनित कविताओं में निहित जीवन मूल्यों का आकलन कराना।
4. चयनित कविताओं के माध्यम से विविध विमर्शों तथा सरोकारों के विश्लेषण की क्षमता विकसित कराना।

1. साठोत्तरी हिंदी कविता: युगीन परिवेश

(15)

- सन् 1960 से सन् 1990 तक

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of

3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक परिवेश

• सन 1990 से 2020 तक

- सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक परिवेश

2. साठोत्तरी हिंदी कवियों का सामान्य परिचय (1960 से 1990) (15)

रघुवीर सहाय, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, धूमिल, केदारनाथ सिंह, चंद्रकांत देवताले, अरुण कमल, लीलाधर जगूड़ी, ज्ञानेंद्रपति, उदयप्रकाश, मंगलेश डबराल, कुंवर नारायण, लीलाधर मंडलोई ओमप्रकाश वाल्मीकि, सूरजपाल चौहान, अनामिका, निलेश रघुवंशी, निर्मला पुतुल, जसिंता केरकेट्टा, बद्री नारायण।

3. साठोत्तरी हिंदी कविता- 1960 से 1990 तक (15)

- हँसो हँसो जल्दी हँसो- रघुवीर सहाय
- सुख हथेलियाँ- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
- रोटी और संसद- धूमिल
- बुनाई का गीत- केदारनाथ सिंह
- चिड़िया का प्रसव- लीलाधर जगूड़ी
- मैं जो कह रहा हूँ- चंद्रकांत देवताले

4. साठोत्तरी हिंदी कविता: 1990 से 2020 तक (15)

- पुतली में संसार- अरुण कमल
- आज़ादी उर्फ गुलामी- ज्ञानेंद्र पति
- कब होगी वह भोर- सूरजपाल चौहान
- सत्रह साल की लड़की- निलेश रघुवंशी
- नदी, पहाड़ और बाज़ार- जसिंता के रकट्टा
- देश- बद्री नारायण

अध्यापन विधि

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतिकरण, कार्यशाला

आधार ग्रंथ

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

1. रघुवीर सहाय, हँसो हँसो जल्दी हँसो, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1978
2. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1989
3. केदारनाथ सिंह, प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,
4. धूमिल, कल सुनना मुझे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1999
5. चंद्रकांत देवताले, लकड़ बग्घा हँस रहा है, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2000
6. अरुण कमल, पुतली में संसार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2004
7. लीलाधर जगूड़ी कवि, ने कहा, किताबघर प्रकाशन, 2008
8. नीलेश रघुवंशी, घरनिकासी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
9. ज्ञानेन्द्रपति, कवि ने कहा, किताबघर, नयी दिल्ली, 2011
10. नीलेश रघुवंशी, कवि ने कहा, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016
11. बद्रीनारायण, तुमड़ी केशब्द, राजकमल प्रकाशन, 2019
12. सूरजपाल चौहान 2007, कब होगी वह भोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली,

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. लक्ष्मीसागर वाष्णेय, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास 2012 राजपाल एंड सन्स
2. डॉ. मनोज सोनकर, साठोत्तरी हिंदी कविता: संवेदना एवं शिल्प, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली, 1994
3. अरुण कमल, कविता और समय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002
4. रामशरण जोशी, इक्कीसवीं सदी के संकट, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003
5. डॉ. महेश तिवारी, हिंदी काव्य समीक्षा के प्रतिमान, वाणी प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली, 2005
6. परमानंद श्रीवास्तव, कविता का अर्थात्, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
7. डॉ. सुभाष गंगवाल, भूमंडलीकरण एवं भारत, मंगलदीप पब्लिकेशंस, जयपुर, 2008
8. डॉ. हरिनारायण ठाकुर, दलित साहित्य का समाज शास्त्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली, 2009



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: IV

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (2)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: रचनाकार का विशेष अध्ययन: भीष्म साहनी (Study of Special

Author: Bhishma Sahani)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: भीष्म साहनी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

CO 2: भीष्म साहनी के साहित्य के परिवेश को समझ पाएंगे।

CO 3: भीष्म साहनी के कथा तथा कथेतर साहित्य को तत्त्वों के आधार पर मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO 4: रचनाकार के सौन्दर्य दृष्टि को जानेंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	1	1	1	2	1	3	2	2	1
CO2	3	2	2	2	2	2	1	3	3	2	2
CO3	2	3	3	2	2	2	2	2	3	3	2
CO4	2	3	2	2	2	3	1	2	2	2	3

पाठ्यक्रम: HIN-203 रचनाकार का विशेष अध्ययन: भीष्म साहनी

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2024-25

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित - भीष्म साहनी के साहित्य का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. भीष्म साहनी के जीवन एवं रचनात्मक अवदान से परिचित कराना।
2. भीष्म साहनी की साहित्यिक दृष्टि को समझाना।
3. भीष्म साहनी के साहित्यिक परिवेश से अवगत कराना।
4. भीष्म साहनी द्वारा रचित अन्य विधाओं के महत्त्व को समझाना।

1. रचनाकार-भीष्म साहनी

(10)

- जीवन परिचय एवं परिवेश
- कृतियों का सामान्य परिचय

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- भीष्म साहनी की साहित्यिक दृष्टि

2. कथा-साहित्य

(20)

कहानियाँ:

- अमृतसर आ गया
- चीफ की दावत
- निशाचरा
- नीली आँखें
- वाङ्मू

उपन्यास: तमस

3. नाटक: हानूश

(15)

4. आत्मकथा: आज के अतीत

(15)

अध्यापन विधि

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य, प्रस्तुति, नाट्य अभिनय आदि

आधार ग्रंथ

1. भीष्म साहनी, हानूश, राजकमल प्रकाशन, 2002
2. भीष्म साहनी, 10 प्रतिनिधि कहानियाँ, किताबघर प्रकाशन, 2005
3. भीष्म साहनी, तमस, राजकमल प्रकाशन, 1973
4. भीष्म साहनी, आज के अतीत, राजकमल प्रकाशन, 2015

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. खान, रहीम पठान, भीष्म साहनी का कहानी साहित्य (कथ्य एवं शिल्प), संजय प्रकाशन, 2021
2. डॉ. उपाध्याय, रमेश, भारतीय साहित्य के निर्माता भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 2015
3. डॉ. द्विवेदी, विवेक, भीष्म साहनी उपन्यास साहित्य, राजकमल प्रकाशन
4. डॉ. कुचेकर, भारत, भीष्म साहनी (व्यक्तित्व एवं कृतित्व, राजकमल प्रकाशन

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: IV

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (3)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: लोकसाहित्य (Folk Literature)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: लोक साहित्य से परिचित होंगे।

CO 2: लोक साहित्य के विविध विधाओं से परिचित होंगे।

CO 3: लोकगीत तथा लोककथा की जानकारी प्राप्त होगी।

CO 4: लोकनाट्य तथा लोकगाथा को जानेंगे।

PO/ CO	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
CO1	3	2	3	2	2	3	3	3	2	3	1
CO2	3	2	3	2	2	3	3	3	2	3	1
CO3	3	3	3	2	1	3	3	3	3	3	1
CO4	3	3	3	2	1	3	3	3	3	3	1

पाठ्यक्रम: HIN-204 लोकसाहित्य

श्रेयांक : 04

शैक्षिक वर्ष से लागू : 2024-2025

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित - भीष्म साहनी के साहित्य का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. लोकसाहित्य का परिचय कराना।
2. लोकसाहित्य की विविध विधाओं की जानकारी देना।
3. लोकगीत तथा लोककथा से अवगत कराना।
4. लोकनाट्य तथा लोकगाथा का परिचय कराना।

1- लोक-साहित्य

(15)

- लोक एवं लोक साहित्य: अवधारणा एवं स्वरूप
- लोक- साहित्य की विशेषताएँ
- लोक-संस्कृति और लोक-साहित्य

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- लोक-साहित्य का महत्व
- 2. लोक-साहित्य की विविध विधाएँ (15)
 - लोक-गीत
 - लोक-कथा
 - लोक गाथा
 - लोक-नाट्य
- 3. लोक-गीत तथा लोक-कथा: अवधारणा एवं स्वरूप (15)
 - राजस्थानी – लोक-गीत
 - कोंकणी – लोक-कथा
- 4. लोकगाथा तथा लोक-नाट्य: अवधारणा एवं स्वरूप (15)
 - अवधी - लोकगाथा
 - बुंदेलखंडी – नौटंकी

अध्यापनविधि

व्याख्यान, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, दृश्य-श्रव्यप्रस्तुतिकरण, लोक कलाकारों से भेट वार्ता

आधार ग्रंथ

जयंती नायक, गोवा की लोककथाएँ, प्रभात प्रकाशन, 2021

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. उषा सक्सेना, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली 2011
2. डॉ. नन्दलाल कल्ला, हिंदी का प्रादेशिक लोक साहित्यशास्त्र, राजस्थानी बँन्थागार, जोधपुर, 2014
3. विद्या चौहान, लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रगति प्रकाशन, 1972
4. मदनलाल शर्मा, राजस्थानी लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन, साहित्य संस्थान, जोधपुर, 1987
5. पूर्णिमा गहलोत, राजस्थानी लोकगीत, युनिक ट्रेडर्स, जयपुर, 1951
6. प्रभाकर मांडे, लोकसाहित्याचे स्वरूप, परिमल प्रकाशन, 1978

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of

3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: IV

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (4)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी निबंध (Hindi Essay)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: हिंदी निबंध की संकल्पना एवं स्वरूप से अवगत होंगे।

CO 2: हिंदी निबंधों की विकास परंपरा एवं प्रकारों से परिचित होंगे।

CO 3: निबंधों के माध्यम से हिन्दी साहित्य और समाज में हुए परिवर्तन से अवगत होंगे।

CO4: हिंदी निबंध लेखन के लिए प्रेरित होंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	3	2	3	3	2	3	3	2	2
CO2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	2
CO3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	2
CO4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2

पाठ्यक्रम: HIN – 205 हिंदी निबंध

श्रेयांक: 02

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2024-25

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित - निबंध विधा की सामान्य जानकारी अपेक्षित हैं।

उद्देश्य

1. हिंदी निबंध की संकल्पना एवं स्वरूप से अवगत कराना।
2. हिंदी निबंधों की विकास परंपरा एवं प्रकारों से परिचित कराना।
3. निबंधों के माध्यम से हिन्दी साहित्य और समाज में हुए परिवर्तन से अवगत कराना।
4. निबंध के लेखन के लिए प्रेरित कराना।

1. हिन्दी निबंध

(10)

- हिंदी निबंध: संकल्पना और स्वरूप
- हिंदी निबंध: विकास - परंपरा
- निबंध के प्रकार

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

2. चयनित निबंध एवं निबंधकार

(20)

- 'आप' - प्रतापनारायण मिश्र
- क्रोध - आ रामचन्द्र शुक्ल
- नाखून क्यों बढ़ते हैं? - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- पाप के चार हथियार - कन्हैयालाल प्रभाकर
- गेहूं बनाम गुलाब - रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई
- हम भ्रष्टन के भष्ट हमारे - शरद जोशी
- हमारे शहर का पुस्तक नहीं पुरस्कार मेला - सूर्यबाला

अध्यापन पद्धति

व्याख्यान, निबंधों का पाठ, सामूहिक चर्चा, भ्रमण, कार्यशाला, प्रत्यक्ष निबंध लेखन।

संदर्भ ग्रंथ

1. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996.
2. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी का गद्य साहित्य, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी, 1987.
3. वर्मा, धीरेन्द्र, हिंदी साहित्य कोश, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2015

सत्र: IV

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MINOR COURSE (VET)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: प्रयोजनमूलक हिंदी (Functional Hindi)

Course Outcome अधिगम परिणाम

- CO 1: प्रयोजनमूलक हिंदी की संकल्पना एवं स्वरूप से अवगत होंगे।
- CO 2: विविध कार्यालयीन पत्रों के प्रारूपों से परिचित होंगे।
- CO 3: संगणक प्रौद्योगिकी कौशल विकसित होगा।
- CO 4: रोजगार अर्जन की दृष्टि से सक्षम बनेंगे।

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	3	2	3	3	3	3	3	2	2
CO2	3	3	2	1	2	2	3	3	3	2	1
CO3	3	3	3	1	2	2	3	3	3	3	1
CO4	3	3	3	1	2	3	3	3	3	3	3

पाठ्यक्रम: HIN-221 प्रयोजनमूलक हिंदी

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2024-25

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित - कार्यालयीन हिंदी का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की संकल्पना एवं स्वरूप से अवगत कराना।
3. विविध कार्यालयीन पत्रों के प्रारूपों से परिचित कराना।
4. कंप्यूटर प्रौद्योगिकी कौशल को विकसित कराना।
5. रोजगार अर्जन की दृष्टि से सक्षम बनाना।

1. प्रयोजनमूलक हिंदी

(10)

- प्रयोजनमूलक हिंदी: अवधारणा एवं स्वरूप
- हिंदी वर्ण और शब्दों का मानक रूप
- हिंदी भाषा के विविध रूप: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषायांत्रिक भाषा, प्रयोजनमूलक हिंदी और रोजगार के अवसर

2. सामान्य आलेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली

(15)

- आवेदन पत्र
- व्यावसायिक पत्र
- संपादक के नाम पत्र
- निमंत्रण पत्र
- पारिभाषिक शब्दावली (50 शब्द - सूची संलग्न है।)

3. कार्यालयीन हिंदी

(20)

- महत्व एवं प्रयोग, स्वरूप - आलेखन

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- अधिसूचना
- आदेश
- परिपत्र
- ज्ञापन

4. हिंदी भाषा और संगणक प्रौद्योगिकी

(15)

- हिंदी टंकण: फोनेटिक एवं इनस्क्रिप्ट, स्पीच टू टेक्स्ट
- प्रौद्योगिकी
- इंटरनेट पर उपलब्ध हिंदी पत्र पत्रिकाएँ
- हिंदी के प्रमुख पोर्टल एवं वेबसाइट
- ई मेल, ई पुस्तकालय सामग्री एवं ब्लॉग
- सरकारी एवं गैर सरकारी चैनल ई पाठशाला, ज्ञानदर्शन, मूक्स (MOOCS), स्वयं (SWAYAM)

अध्यापन विधि

व्याख्यान तथा चर्चा, पीटी. पी. प्रस्तुति, दृश्यश्रव्य माध्यमों का प्रयोग, तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. नरेश मिश्र, प्रयोजनमूलक हिंदी, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली, सं.2013
2. डॉ.पी. लता, प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2015
3. अंशुल वर्मा एवं ओंकार नाथ वर्मा, कार्यालय पद्धति एवं कम्प्यूटर प्रचालन, उपकार प्रकाशन, आगरा।
4. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र: IV

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी Ability Enhancement Course (AEC)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: संभाषण कला (Sambhashan kala)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: संभाषण के स्वरूप से अवगत होंगे।

CO 2: संभाषण कला के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे।

CO 3: संभाषण कला कौशल की उपयोगिता को समझेंगे।

CO 4: संभाषण कला संवर्धन करेंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	1	2	3	3	3	3	3	3	3
CO2	3	3	1	2	3	3	3	3	3	3	3
CO3	3	3	2	1	3	3	3	3	3	3	2
CO4	3	3	2	1	3	3	3	3	3	3	3

पाठ्यक्रम: HIN-252 संभाषण कला

श्रेयांक: 2

शैक्षिक वर्ष: 2024-2025

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित - कार्यालयीन हिंदी का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. संभाषण कला के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।
2. संभाषण कला कौशल की उपयोगिता को समझाना।
3. संभाषण कला को संवर्धन कराना।

1. संभाषण: अर्थ एवं विभिन्न रूप

(15)

- वार्तालाप अवाचिक, एकालाप, विवाद-वाद, व्याख्यान, जन संबोधन। अभिव्यक्ति
- जन संपर्क में वाक्कला की उपयोगिता।

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- संभाषण कला के प्रमुख उपादान -मानक, यथेष्ट भाषा ज्ञान, अंतराल, सटीक प्रस्तुति, उच्चारण ध्वनि, (वाल्जूम) वेग, (एक्सेण्ट) लहजा

2. संभाषण कला के विभिन्न रूप (15)

(उद्घोषणा कला) अनाउन्सेमेंट, (आँखों देखा हाल) कमेन्ट्री, संचालन (एकरिंग), वाचन कला, (रेडियो) समाचार वाचन (टी वी.), मंचीय वाचन (व्यंग्य कहानी, कविता आदि) संवादी (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिंदी की भाषिक संवेदना की विवेचना।

अध्यापन विधि

व्याख्यान तथा चर्चा, पी.पी.टी. प्रस्तुति, दृश्य-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग, तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. सं. पंकज बिष्ट, अकादमिक प्रतिभा, बाजार और लोकतंत्र, भूपेन सिंह: मीडिया -दिल्ली।
2. तेजपाल चौधरी: अच्छी हिंदी संभाषण और लेखन, हिंदी बुक सेंटर।
3. यज्ञ दत्त शर्मा: आदर्श भाषण कला, आत्माराम अण्ड सन्स, नयी दिल्ली।
4. महेश शर्मा: भाषण कला, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 2021
5. देवनाथ उपाध्याय एम. ए. भाषण संभाषण, किताब महल, इलाहबाद 1989



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र - V

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (1)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल से रीतिकाल तक

(History of Hindi Literature: Aadikal to Ritikal)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: हिंदी साहित्य - काल विभाजन एवं परिवेश से परिचित होंगे।

CO 2: हिंदी साहित्य की परिवेशगत प्रवृत्तियों का परिचय होगा।

CO 3: हिंदी के काल खंडों के अनुसार रचनाकारों से अवगत होंगे।

CO4: हिंदी साहित्य के इतिहास के महत्व को समझेंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	3	2	2	1	3	3	2	2	2
CO2	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3	2
CO3	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3	2
CO4	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3	3

पाठ्यक्रम: HIN-300 हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल से रीतिकाल तक

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू: 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित - हिंदी साहित्य के आरंभिक साहित्य इतिहास की जानकारी आवश्यक है।

उद्देश्य

1. हिंदी साहित्य - काल विभाजन एवं परिवेश से परिचित कराना।
2. हिंदी साहित्य की परिवेशगत प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
3. हिंदी के काल खंडों के अनुसार रचनाकारों का परिचय कराना।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास के महत्व को समझना।

1. आदिकाल: परिचयात्मक अध्ययन

(15)

- सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश।

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- आदिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का प्रवृत्तिगत परिचय (सिद्ध, नाथ, जैन तथा रासो काव्य)

2. भक्तिकाल: परिचयात्मक अध्ययन (15)

- सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश।
- भक्तिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का प्रवृत्तिगत परिचय-
-निर्गुण भक्तिकाव्य-संत काव्य एवं सूफी काव्य।
- सगुण भक्तिकाव्य- रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति काव्य।

3. रीतिकाल: परिचयात्मक अध्ययन (15)

- सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश।
- रीतिकालीन काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य

4. प्रतिनिधि रचनाकार (15)

सरहपा, स्वयंभू, गोरखनाथ, चंदबरदाई, विद्यापति, कबीर, रैदास, जायसी, मीराबाई, सूरदास, तुलसीदास, केशव, बिहारी, मतिराम, देव, पद्माकर, घनानन्द, भूषण।

अध्यापन विधि व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य, प्रस्तुति, आदि

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. आ. रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद 2002.
2. आ. हजारि प्रसाद द्विवेदी, हिंदी साहित्य का आदिकाल, राजकमल प्रकाशन,
3. हिंदी साहित्य का उद्भव एवं विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015.
4. डॉ. नगेन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016.
5. रामसजन पाण्डेय, हिंदी साहित्य का इतिहास, संजय प्रकाशन, हरियाणा, 2016



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र - V

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (2)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: अस्मितामूलक विमर्श (Identity-Based Discourse)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: अस्मितामूलक विमर्शों से परिचित होंगे।

CO 2: कविताओं द्वारा स्त्री विमर्श से जुड़े प्रश्नों से अवगत होंगे।

CO 3: आत्मकथा द्वारा दलित विमर्श से परिचित होंगे।

CO 4: उपन्यास द्वारा किन्नर विमर्श से ज्ञात होंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	3	2	3	2	3	3	2
CO2	3	3	2	2	2	3	3	2	3	3	2
CO3	3	3	3	2	2	2	3	2	3	3	2
CO4	3	3	2	2	2	3	3	2	3	3	2

पाठ्यक्रम : HIN-301 अस्मितामूलक विमर्श

श्रेयांक:04

शैक्षिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित हिंदी साहित्य के वैचारिक पृष्ठभूमि की जानकारी आवश्यक है।

उद्देश्य

1. अस्मितामूलक विमर्शों से परिचित कराना।
2. कविताओं द्वारा स्त्री विमर्श से जुड़े प्रश्नों से अवगत कराना।
3. आत्मकथा द्वारा दलित विमर्श से परिचित कराना।
4. उपन्यास द्वारा किन्नर विमर्श को ज्ञात कराना।

1. अस्मितामूलक विमर्श: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व (10)

- स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, किसान विमर्श, वृद्धावस्था विमर्श और पर्यावरण विमर्श।

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

2. स्त्री विमर्श: अवधारणा, स्वरूप एवं आंदोलन (10)

विशेष अध्ययन-स्त्री विमर्श पर चयनित कविताएं

- कैद अपनी ही-स्नेहमयी चौधरी
- जब मैं स्त्री हूँ- रंजना जयसवाल
- खामोश रहनेवाली- लड़कियां हरप्रीत कौर
- पिता के घर में मैं- रूपम मिश्र
- कमाल की औरतें- शैलजा पाठक
- आप गुलाब कहते हैं जिन्हें- नाज़िश अंसारी
- एक औरत की पुकार- मनीषा कुलश्रेष्ठ
- बेजगह- अनामिका

3. दलित विमर्श: अवधारणा, स्वरूप एवं आंदोलन (20)

विशेष अध्ययन के लिए आत्मकथा:

- जूठन- ओमप्रकाश वाल्मीकि

4. किन्नर विमर्श: अवधारणा, स्वरूप एवं आंदोलन (20)

विशेष अध्ययन- के लिए उपन्यास

- तीसरी ताली- प्रदीप सौरभ

अध्यापन विधि व्याख्या, कथा-कथन, समस्या निर्मूलन, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, प्रश्न-मंजूषा, समूह चर्चा, अध्ययन भ्रमण।

आधार ग्रंथ

1. जूठन-ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2015
2. तीसरी ताली-प्रदीप सौरभ, वाणी प्रकाशन, 2011

संदर्भ ग्रंथ सूची

- 1- जगदीश्वर चतुर्वेदी, स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, मेधा पब्लिशिंग हाउस, 2018
- 2- अनामिका, स्त्री विमर्श का लोकपक्ष, वाणी प्रकाशन, 2017
- 3- राजकमल प्रकाशन, 2011

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of

3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- 4- डॉ. हरिनारायण ठाकुर, दलित साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2009
- 5- ओमप्रकाश वाल्मिकी, दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, सं 2001
- 6- बजरंग बिहारी तिवारी, दलित साहित्य: एक अंतर्गता, नवारुण, गाज़ियाबाद, सं 2015
- 7- डॉ. दिलिप मेहरा (सं), हिंदी साहित्य में किन्नर विमर्श, वाणी प्रकाशन, 2019
- 8- सफलता सरोज (सं), किन्नर विमर्श: कल, आज और कल, अमन प्रकाशन, 2019
- 9- रमणीका गुप्ता (सं), आदिवासी समाज और साहित्य, कल्याणी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली, सं. 2016
- 10- सं. मनोहर भंडारे, इक्कीसवीं सदी के विविध विमर्श, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023

सत्र - V

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (3)

पाठ्यक्रम का शीर्षक : रचनात्मक लेखन (CREATIVE WRITING)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO1: रचनात्मक लेखन के विविध प्रकारों से परिचित होंगे।

CO2: रचनात्मक कौशल विकसित होगा।

CO3: रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित होंगे।

CO4: रोजगार की दृष्टि से रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में सक्षम बनेंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	3	2	2	3	2	2	3
CO2	3	2	2	2	3	3	2	3	2	2	3
CO3	2	2	2	2	3	3	2	2	2	2	3
CO4	2	2	2	3	3	3	2	2	2	2	3

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

पाठ्यक्रम : HIN-302 रचनात्मक लेखन

श्रेयांक:04

शैक्षिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित वाचन एवं लेखन में रुचि होना अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. रचनात्मक लेखन के विविध प्रकारों से परिचित कराना।
2. रचनात्मक लेखन कौशल का विकास कराना।
3. रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित कराना।
4. रोजगार की दृष्टि से रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में सक्षम बनाना।

1. रचनात्मक लेखन

(10)

- अवधारणा एवं स्वरूप
- रचनात्मक लेखन - विविध क्षेत्र
- जनसंचार माध्यम (प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक)
- (रचनात्मक लेखन के प्रकार मौखिक लिखित, गद्य-पद्य, पाठ्य-नाट्य आदि।)

2. रचनात्मक लेखन: पद्य

(15)

- कविता
- गीत
- गजल

3. रचनात्मक लेखन: गद्य

(20)

- कहानी
- एकांकी
- निबंध
- पुस्तक समीक्षा
- यात्रा-वृत्तांत

4. रचनात्मक लेखन: जनसंचार माध्यम

(15)

- प्रिन्ट मीडिया

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
- सोशल मीडिया
- विज्ञापन
- रिपोर्टाज
- फिल्म समीक्षा

अध्यापन विधि - व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, कार्यशाला
संदर्भ ग्रंथ सूची

1. राजेश जोशी- एक कवि की नोटबुक, राजकमल प्रकाशन, सं. 2004
2. कुमार विमल (सं) काव्य रचना प्रक्रिया, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना, सं. 1974
3. डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र- मीडिया लेखन- सिद्धांत एवं व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2003
4. रमेश गौतम (सं) रचनात्मक लेखन, भारतीय ज्ञानपीठ, सं. 2016
5. शुक्ल रामचंद्र, चिंतामणी भाग 1, 2, काशी प्रचारणी सभा

सत्र - V

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (4)

**पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी आत्मकथा साहित्य (HINDI AUTOBIOGRAPHY
LITERATURE)**

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: आत्मकथा विधा से परिचित होंगे।

CO 2: आत्मकथा के स्वरूप एवं अवधारणा को जानेंगे।

CO 3: हिन्दी आत्मकथा के इतिहास से अवगत होंगे।

CO 4: आत्मकथा के माध्यम से लेखक के जीवन और परिवेश से अवगत होंगे।

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3	2
CO2	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2	2
CO3	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3	2
CO4	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3	2

पाठ्यक्रम : HIN 303 हिंदी आत्मकथा साहित्य

श्रेयांक: 02

शैक्षिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित- हिंदी के आत्मवृत्तांत की जानकारी आवश्यक है।

उद्देश्य

- आत्मकथा विधा से परिचित कराना।
- आत्मकथा के स्वरूप एवं अवधारणा से परिचित कराना।
- हिन्दी आत्मकथा के इतिहास से अवगत कराना।
- आत्मकथा के माध्यम से लेखक के जीवन और परिवेश से ज्ञात कराना।

1. हिंदी आत्मकथा: अवधारणा एवं स्वरूप

(15)

- आत्मकथा की परिभाषा
- आत्मकथा के तत्व
- आत्मकथा का इतिहास

2. विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित आत्मकथा

(15)

- सुनहू तात यह अकथ कहानी – शिवानी

अध्यापन विधि व्याख्या, मंजूषा-प्रश्न, श्रव्य प्रस्तुति-दृश्य, समस्या निर्मूलन, कथन-कथा, समूह चर्चा।

आधार ग्रंथ सुनहू तात यह अकथ कहानी 2007, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन, शिवानी

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. विश्वबन्धु शास्त्री विद्यालंकार हिन्दी का आत्मकथा साहित्य, राधा प्रकाशन, दिल्ली, 1984

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

2. डॉ. बापुराव देसाई, हिंदी आत्मकथा विधा शास्त्र और इतिहास, गरिमा प्रकाशन, कानपुर, 2011
3. डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र, हिंदी लेखिकाओं की आत्मकथाएँ, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2011
4. डॉ रघुनाथ गणपति देसाई महिला आत्मकथा लेखन में नारी, ए.बी.एस पब्लिकेशन, वाराणसी, 2012
5. डॉ, क्रांति ति गायकवाड, समकालीन आत्मकथा और नारी जीवन, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर, 2009

सत्र V

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MINOR COURSE (VET)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: जनसंचार एवं पत्रकारिता (Media And Journalism)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO1: संचार और जनसंचार की अवधारणा से परिचित होंगे।

CO2: जनसंचार माध्यमों के महत्व एवं प्रभावों से परिचित होंगे।

CO3: पत्रकारिता की अवधारणा से अवगत होंगे।

CO4: पत्रकारिता के वर्तमान परिवेश एवं दायित्व से अवगत होंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2	3
CO2	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2	3
CO3	3	2	2	2	3	2	2	3	2	2	3
CO4	3	2	2	2	3	2	3	3	2	3	3

पाठ्यक्रम : HIN-321 जनसंचार एवं पत्रकारिता

श्रेयांक:04

शैक्षिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वपेक्षित हिंदी भाषा जनसंचार एवं पत्रकारिता का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

उद्देश्य

1. संचार और जनसंचार की अवधारणा से परिचित कराना।
2. जनसंचार माध्यमों के महत्व एवं प्रभावों से परिचित कराना।
3. पत्रकारिता की अवधारणा से अवगत कराना।
4. पत्रकारिता के वर्तमान परिवेश एवं दायित्व से अवगत कराना।

1. जनसंचार माध्यम: अवधारणा एवं स्वरूप (15)

- संचार: परिभाषा एवं प्रकार
- जनसंचार: परिभाषा, तत्व एवं प्रकार
- जनसंचार: विशेषताएँ एवं महत्व

2. जनसंचार के विविध माध्यम (15)

- मुद्रित माध्यम: स्वरूप, महत्व एवं भेद
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम: स्वरूप, महत्व एवं भेद

3. पत्रकारिता: अवधारणा एवं स्वरूप (15)

- पत्रकारिता: परिभाषा, वर्गीकरण एवं महत्व
- हिंदी पत्रकारिता: उद्भव एवं विकास
- समाचार पत्र: स्रोत एवं प्रकाशन प्रक्रिया

4. व्यावहारिक प्रयोग (30)

- समाचार लेखन एवं प्रस्तुति
- दूरदर्शन न्यूज बुलेटीन लेखन एवं प्रस्तुति
- फीचर लेखन
- संपादन

अध्यापन विधि : व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, प्रत्यक्ष समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण

संदर्भ ग्रंथ सूची

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

1. डॉ. शम्भूनाथ द्विवेदी, जनसंचार और विविध माध्यम, पूजा पब्लिकेशन्स, कानपुर 2021
2. डॉ. जय प्रकाश पांडेय, आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी, परिक्रमा प्रकाशन, दिल्ली - 2014
3. डॉ. सुजाता वर्मा, जी. पी. वर्मा, जनसंचार जनसंपर्क एवं विज्ञापन, ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर
4. एन. सी. पंत, हिंदी पत्रकारिता का विकास, राधा पब्लिकेशन्स, दरियागंज, नई दिल्ली, 2001
5. अनिल सिन्हा, हिंदी पत्रकारिता: इतिहास, स्वरूप एवं संभावनाएं, कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली - 110002
6. गणेश मंत्री, पत्रकारिता की चुनौतियां, सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र VI

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (1)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल (HISTORY OF HINDI LITERATURE: AADHUNIK KAL)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO1: आधुनिक काल की परिस्थितियों से अवगत होंगे।

CO2: आधुनिक काल के विकास क्रम से परिचित होंगे।

CO3: आधुनिक काल के कवियों से परिचित होंगे।

CO4: रचनाओं के माध्यम से राजेश जोशी की काव्यदृष्टि से अवगत होंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	2
CO2	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2	2
CO3	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2	1
CO4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	1

पाठ्यक्रम : HIN-304 हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल

श्रेयांक:04

शैक्षिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित आधुनिक हिंदी साहित्य की जानकारी आवश्यक है।

उद्देश्य

1. आधुनिक काल की परिस्थितियों से अवगत कराना।
2. आधुनिक काल के विकास क्रम से परिचित कराना।
3. आधुनिक काल के कवियों से परिचित कराना।
4. रचनाओं के माध्यम से राजेश जोशी की काव्यदृष्टि से अवगत कराना।

1. आधुनिक हिंदी काव्य का परिवेश

(10)

- नवजागरण एवं समाज-सुधार आंदोलन

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ (1857-1947)

2. आधुनिक हिंदी काव्य: सामान्य प्रवृत्तियाँ (20)

- भारतेन्दुयुग
- द्विवेदीयुग
- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नई कविता
- समकालीन कविता

3. प्रमुख रचनाकार- सामान्य परिचय (10)

- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मैथिलीशरण गुप्त, सुभद्राकुमारी चौहान, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, नागार्जुन, दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर सिंह, कात्यायनी, आलोक धन्वा।

4. राजेश जोशी की चयनित कविताएँ (20)

1. बिजली सुधारनेवाले
2. मैं उड़ जाऊंगा
3. यह धर्म के विरुद्ध है
4. प्लेटफार्म पर
5. बच्चे काम पर जा रहे हैं
6. प्रजापति
7. मारे जाएंगे
8. मेरठ 87
9. नाना की साइकिल
10. झाड़ू की नीति कथा
11. इत्यादि

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

12. बीसवीं सदी के अंतिम दिनों का एक आश्चर्य
13. उसकी गृहस्थी
14. उस प्लंबर का नाम क्या है
15. प्रतिध्वनि
16. हमारे शहर की गलियां: दो
17. बर्बर सिर्फ बर्बर थे
18. मैं झुकता हूं
19. रात किसी का घर नहीं
20. यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

अध्यापन विधि : व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, कार्यशाला।

आधार ग्रंथ - कवि ने कहा, राजेश जोशी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली 2011

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. शुक्ल, रामचन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारणी सभा, सं-52, 2020
2. बच्चनसिंह: हिन्दी माहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017
3. नगेंद्र: हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 200
4. हजारिप्रसाद द्विवेदी हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017
5. वासुदेव सिंह: हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
6. नंदकिशोर नवल समकालीन काव्ययात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
7. सं. लीलाधर मंडलोई कविता के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

सत्र VI

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (2)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: भारतीय साहित्य (Indian Literature)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO1: भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित होंगे।

CO2: भारतीय साहित्य के माध्यम से विविध संस्कृतियों से अवगत होंगे।

CO3: भारतीय साहित्यकारों की विचारधारा से परिचित होंगे।

CO4: भारतीयता की मूल संवेदना से जुड़ेंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	2	3	3	2	3	1
CO2	3	2	2	2	3	2	3	3	2	3	2
CO3	3	2	2	2	3	2	3	3	2	3	2
CO4	3	2	2	2	3	3	3	3	2	3	2

पाठ्यक्रम : HIN-305 भारतीय साहित्य

श्रेयांक:04

शैक्षिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित भारतीय साहित्य की जानकारी आवश्यक है।

उद्देश्य

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना।
2. भारतीय साहित्य के माध्यम से विविध संस्कृतियों से अवगत कराना।
3. भारतीय साहित्यकारों की विचारधारा से परिचित कराना।
4. निर्धारित रचनाओं के अध्ययन द्वारा भारतीयता की मूल संवेदना से जोड़ना।

1. भारतीय साहित्य

(10)

- अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ।
- भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

2. भारतीय कथा साहित्य

(20)

• कहानी

फाँसी - एम. सुकुमारन (मलयालम)

अढाई घंटे - हरिकृष्ण कौल (कश्मीरी)

मैं- दो - विभूत शाह (गुजराती)

क़सम- दामोदर मावज़ो (कोंकणी)

सुदामा का पता - तरुणकांति मिश्र (उड़िया)

• उपन्यास

भू- देवता- केशव रेड्डी (तेलगु)

3. अमृता प्रीतम की चयनित कविताएँ (पंजाबी)

(15)

• मैं तुम्हें फिर मिलूँगी

• मुलाकात

• मरुस्थल की लीला

• शहर

• मेरा पता

• ऐ मेरे दोस्त! मेरे अजनबी

• राजनीति

• मजबूर

• धूप का टुकड़ा

• मैंने पल भर के लिए

4. नाटक

(15)

• गिद्ध- विजय तेंडुलकर (मराठी)

अध्यापन विधि व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति आदि।

आधार ग्रंथ

1. भू-देवता-केशव रेड्डी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2019



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of

3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

2. गिद्ध - वसंतदेव देसाई, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2018
3. मैं तुम्हें फिर मिलूँगी, अमृता प्रीतम, कृति प्रकाशन, 2014
4. भारतीय श्रेष्ठ कहानियाँ, सं. सन्हैयालाल ओझा और मार्कण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. नगेंद्र, भारतीय साहित्य, प्रभात प्रकाशन, सं. 2018
2. रामछबीला त्रिपाठी- भारतीय साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2014
3. मूलचंद गौतम (सं)-भारतीय साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2009
4. डॉ. सियाराम तिवारी (सं.), भारतीय साहित्य की पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2015

सत्र VI

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MAJOR COURSE (3)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: साहित्य: विचार एवं दर्शन (Literature: Thought and Philosophy)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO 1: साहित्य-विचार एवं दर्शन से अवगत होंगे।

CO 2: भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन से प्रभावित साहित्य से परिचित होंगे।

CO 3: दर्शनशास्त्र और साहित्य का अध्ययन करेंगे।

CO 4: साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित होंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
CO4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

पाठ्यक्रम HIN – 306 साहित्य: विचार एवं दर्शन

श्रेयांक: 04

शैक्षिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित- साहित्य-विचार और दर्शन का परिचय होना अपेक्षित है।

उद्देश्य

1. साहित्य विचार एवं दर्शन से अवगत कराना।
2. भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन से प्रभावित साहित्य से परिचित कराना।
3. दर्शनशास्त्र, साहित्य और विचारधारा का अध्ययन कराना।
4. साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित कराना।

1. भारतीय दर्शन: परिचयात्मक अध्ययन

(15)

- वेद एवं उपनिषद

अद्वैतवाद, द्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, द्वैताद्वैतवाद

- जैन दर्शन
- बौद्ध दर्शन
- गांधी दर्शन

2. भारतीय दर्शन पर आधारित रचनाएँ

(15)

- कबीर के 5 दोहे (चयनित दोहे)

1. जाके मुँह माथा नहीं, नाही रूप कुरूप।
2. जल में कुम्भ कुम्भ में जल है बाहर भीतर पानी।
3. कबीर माया मोहनी, मोहे जाँण सुजाँण।
4. कबीर यह जग कुछ नहीं, षिन षारा षिन मीठ।
5. कबीर ऐसा यहु संसार है, जैसा सैंबल फूल

- सूरदास के 5 पद (चयनित पद)

(सूरसागर संपादक नंददुलारे वाजपेयी (दूसरा खंड) दशम स्कंध पृष्ठ संख्या 1461)

1. स्यामा स्याम छबि की साध

2140॥2758॥



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- | | |
|---|------------------|
| 2. हम तुम सो बिनति करें, जनि आँखिनि भरौ गुलाल | 2884 3502 |
| 3. कहा इन नैननि की अपराध | 3252 3870 4- |
| 4. ऊधौ जोग जोग कहत, कहा जोग कीए | 3702 43205- |
| 5. हरि रस तौ ब्रजवासी जानै | 4049 4667 |

● रामकुमार वर्मा - एकांकी-चारुमित्रा

3. पाश्चात्य दर्शन: परिचयात्मक अध्ययन (15)

- मार्क्सवाद
- मनोविज्ञान
- अस्तित्ववाद
- उत्तर-आधुनिकतावाद

4. पाश्चात्य दर्शन पर आधारित रचनाएँ (15)

- प्रतिबद्ध हूँ- नागार्जुन
- हीली-बोन की बत्तखें - अज्ञेय
- अंतराल - निर्मल वर्मा

अध्यापन विधि - व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति आदि।

आधार ग्रंथ

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर राजकमल प्रकाशन, 2019
2. सूरसागर संपादक नंददुलारे वाजपेयी (दूसरा खंड) दशम स्कंध पृष्ठ संख्या 1461
3. गोस्वामी तुलसीदास, रामचरितमानस गीता प्रेस गोरखपुर 2021.
4. सूरसागर- लोकभारती प्रकाशन 2018
5. पउम चरित - स्वयंभू डॉ एच सी भायाणी अनुवाद डॉ देवेन्द्र कुमार जैन भारतीय ज्ञानपीठ नयी दिल्ली 1957
6. देशद्रोही - यशपाल लोकभारती प्रकाशन 1943
7. डॉ. रामकुमार वर्मा रचनावली, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ 2011
8. अज्ञेय संपूर्ण कहानियाँ, राजपाल प्रकाशन, 2008

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of

3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

9. कव्वे और काला पानी - निर्मल वर्मा भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली 2009

10. सूखा तथा अन्य कहानियाँ - निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन 1995

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भारतीय दर्शन भाग 1 तथा भाग 2, राजपाल प्रकाशन, 2015

2. डॉ निर्मला जैन, काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 1990

3. डॉ तारकनाथ बाली, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2024

4. जगदीश्वर चतुर्वेदी, उत्तर आधुनिकतावाद, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली 2004

सत्र VI

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी MINOR COURSE (VET)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: साहित्य और सिनेमा (Literature and Cinema)

Course Outcome अधिगम परिणाम

CO1: सिनेमा और साहित्य के स्वरूप तथा संबंध से परिचित होंगे।

CO2: हिंदी सिनेमा के विकास तथा निर्माण प्रक्रिया से अवगत होंगे।

CO3: सिनेमा में साहित्य के सरोकार को सोदाहरण समझेंगे।

CO4: साहित्य के फिल्मांकन के व्यावहारिक पक्ष से अवगत होंगे।

PO/ CO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	3	2	2	3	2	2	3
CO2	3	2	2	2	3	2	2	3	2	2	3
CO3	3	2	2	2	3	2	2	3	2	2	3
CO4	3	2	2	2	3	2	2	3	2	2	3

पाठ्यक्रम : HIN- 322 साहित्य और सिनेमा

श्रेयांक:04

शैक्षिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित साहित्य एवं सिनेमा का सामान्य ज्ञान होना आवश्यक है।

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

उद्देश्य

1. सिनेमा और साहित्य के स्वरूप तथा संबंध से परिचित कराना।
2. हिंदी सिनेमा के विकास तथा निर्माण प्रक्रिया से अवगत कराना।
3. सिनेमा में साहित्य के सरोकार को सोदाहरण समझाना।
4. साहित्य के फिल्मांकन के व्यावहारिक पक्ष से अवगत कराना।

1. साहित्य और सिनेमा (15)

- साहित्य का स्वरूप
- सिनेमा की तकनीकी शब्दावली
- सिनेमा का स्वरूप
- हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास- साहित्यिक कृतियाँ पर आधारित फिल्मों का उल्लेख अपेक्षित हैं।

2. साहित्य और सिनेमा का संबंध (15)

- साहित्य एवं सिनेमा: साम्य एवं वैषम्य
- सिनेमा में साहित्य - कहानी, पटकथा, संवाद, गीत, फिल्म- समीक्षा
- पाठ का दृश्य-श्रव्य माध्यम के लिए रूपांतरण
 - रूपांतरण की प्रक्रिया
 - साहित्य के फिल्मांतरण की चुनौतियाँ
- पाठ पर आधारित पटकथा लेखन
 - पटकथा लेखन का स्वरूप
 - व्यावहारिक प्रयोग

3. फिल्म निर्माण के चरण एवं व्यावहारिक प्रयोग (15)

- कथा-विकास (विचार, कथा, पटकथा, संवाद)
- निर्माण-पूर्व- प्रक्रिया
- निर्माण
- उत्तर-निर्माण-प्रक्रिया

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation



NAAC (4th Cycle)

Accredited with CGPA score of
3.25

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN

NUVEM, GOA

- वितरण एवं प्रदर्शन
- साहित्यिक कृति पर आधारित लघु फिल्म निर्माण -व्यावहारिक प्रयोग

4. सिनेमा में साहित्य

(15)

- फिल्मांतरित साहित्यिक कृतियों का परिचय
 - काबुलीवाला (रवींद्रनाथ ठाकुर की कहानी पर आधारित) -गाइड (आर. के. नारायण के उपन्यास पर आधारित) -परिणीता (शरदचंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास पर आधारित) सद्गति (प्रेमचंद की कहानी पर आधारित)
 - ओंकारा (विलियम शेक्सपियर कृत नाटक पर आधारित)
- गीतकारों का योगदान
 - साहिर लुधियानवी (प्यासा, कभी-कभी)
 - शैलेंद्र (अनाडी, गाइड)
 - गुलजार (आंधी, इजाजत)

अध्यापन विधि - व्याख्यान, चर्चा, दृश्य श्रव्य प्रस्तुतीकरण, व्यावहारिक प्रयोग

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अनुपम ओझा भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, सं. 2009
2. असगर वजाहत व्यावहारिक निर्देशिका पटकथा लेखन, राजकमल प्रकाशन, सं. 2011
3. प्रहलाद अग्रवाल- हिंदी सिनेमा आदि से अनन्त, साहित्य भंडार, इलाहाबाद, सं. 2014
4. मृत्युंजय (सं), सिनेमा के सौ वर्ष, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2008
5. विनोद भारद्वाज, सिनेमा कल, आज और कल, वाणी प्रकाशन, सं. 2006
6. विवेक दुबे, हिंदी साहित्य और सिनेमा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2009
7. हरीश कुमार, सिनेमा और साहित्य संजय प्रकाशन दिल्ली, सं. 2010
8. ज्ञान चंद्र पाल, साहित्य और सिनेमा माध्यम रूपांतरण के विविध पक्ष, इंदु बुक सर्विसिस, प्रा. लिमिटेड

0 = no correlation; 1 = low correlation; 2 = medium correlation; 3 = high correlation